बंकन (Bending) :- किसी धातु ब्लैंक अथवा धातु चादर को किसी अभीष्ट कोण पर मोड़ने की क्रिया को बंकन कहते है।

प्ररूपण (forming) :- चादरी धातु को वक्र रेखा के अनुरूप मोड़ने की संक्रिया प्ररूपण कहलाती है। प्ररूपण के लिए चादरी धातु को पंच तथा डाई के बीच में रखकर उसे पंच द्वारा दबाया जाता है, जिससे फलस्वरूप धातु में प्रत्यास्था सीमा से अधिक तनन तथा सम्पीडन प्रतिबल पैदा होते हैं।

नॉचिंग (Notching) :- धात्विक ब्लैंक, पट्टी या धातु चादर की कोर से अभीष्ट आकृति में धातु के टुकड़े काटकर अलग करने की क्रिया को, नॉचिंग कहते हैं।

पंच तथा डाई :- पंच तथा डाई का अभिकल्पन कर्तन बल या कुल कर्तन दाब जो कर्तन किये जाने वाले मौटिंग कार्यखण्ड पर आरोपित होता है, पर निर्भर करता है। इस कर्तन बल या कुल कर्तन दाब की गणना निम्न प्रकार की जा सकती है।
पंचिंग तथा अपरूपण के लिए जब प्रेस या पंच किया गया ब्लैंक/कार्यखण्ड आयताकार है, जिसानुसार माना कि पंच किये गये ब्लैंक की लम्बाई l, चौड़ाई b तथा मोटाई t है, तो